

अध्याय - 1 | पुष्पी पादपों में लैंगिक जनन

QUIZ
PART-02

1. लघुबीजाणुजनन की प्रक्रिया में किस प्रकार का विभाजन होता है?

- A. समसूत्री विभाजन
B. अर्द्धसूत्री विभाजन
C. असम विभाजन
D. इनमें से कोई नहीं (B)

व्याख्या: लघुबीजाणुजनन की प्रक्रिया में बीजाणुजनक ऊतक की कोशिकाएँ अर्द्धसूत्री विभाजन द्वारा लघुबीजाणु चतुष्टय का निर्माण करती हैं।

2. परागकण की बाह्य भित्ति किस पदार्थ से बनी होती है?

- A. सेल्यूलोज B. पेक्टिन
C. स्पोरोपोलैनिन D. लिग्निन (C)

व्याख्या: परागकण की बाह्य भित्ति स्पोरोपोलैनिन से बनी होती है, जो अत्यधिक प्रतिरोधक होती है और जीवाश्मों में संरक्षित रहती है।

3. परागकणों का संरक्षण किस तापमान पर किया जाता है?

- A. -10°C B. -80°C
C. -196°C D. 0°C (C)

व्याख्या: परागकणों का दीर्घकालीन संरक्षण द्रव नाइट्रोजन में -196°C पर किया जाता है, जिसे क्रायोप्रिजर्वेशन कहते हैं।

4. परागकण उत्पादों में कौन-से पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं?

- A. विटामिन व खनिज
B. कार्बोहाइड्रेट व प्रोटीन
C. वसा व जल
D. नाइट्रोजन व फास्फोरस (B)

व्याख्या: परागकण उत्पादों में कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन की प्रचुरता होती है, जो उन्हें ऊर्जा और पोषण का उत्कृष्ट स्रोत बनाती है।

5. पाथेर्नियम (गाजर घास) किस प्रकार की समस्या का कारण बनता है?

- A. दमा और श्वसन एलर्जी
B. त्वचा संक्रमण
C. पाचन विकार
D. दृष्टि हानि (A)

व्याख्या: पाथेर्नियम के परागकण एलर्जी के प्रमुख कारणों में से हैं, जो दमा और श्वसनी शोथ उत्पन्न करते हैं।

6. परागकणों का व्यास लगभग कितना होता है?

- A. 5-10 माइक्रोमीटर
B. 25-50 माइक्रोमीटर
C. 75-100 माइक्रोमीटर
D. 100-200 माइक्रोमीटर (B)

व्याख्या: सामान्यतः परागकणों का व्यास 25 से 50 माइक्रोमीटर के बीच होता है।

7. परागकण का कौन-सा भाग आंतरिक भित्ति कहलाता है?

- A. बाह्यचोल
B. अन्तःचोल
C. टैपेटम
D. परागपुटी (B)

व्याख्या: परागकण की आंतरिक भित्ति अन्तःचोल कहलाती है, जो सेल्यूलोज और पेक्टिन से बनी होती है।

8. परागकण की बाह्य भित्ति में स्पोरोपोलैनिन किस कारण से महत्वपूर्ण है?

- A. यह परागकण को लचीला बनाता है
B. यह विघटन से रक्षा करता है
C. यह परागकण को सुगंधित बनाता है
D. यह केवल प्रकाश को रोकता है (B)

व्याख्या: स्पोरोपोलैनिन एक अत्यधिक प्रतिरोधक पदार्थ है जो परागकणों को ऊष्मा, अम्ल और क्षार से बचाता है।

9. आवृतबीजियों में परागकण किस अवस्था में झड़ते हैं?

- A. एक-कोशिकीय अवस्था
B. दो-कोशिकीय अवस्था
C. तीन-कोशिकीय अवस्था
D. चार-कोशिकीय अवस्था (B)

व्याख्या: आवृतबीजियों के परागकण सामान्यतः दो कोशिकीय अवस्था (कायिक कोशिका व जनन कोशिका) में झड़ते हैं।

10. पराग व्यवहार्यता किन कारकों पर निर्भर करती है?

- A. केवल प्रकाश पर
B. तापमान और आर्द्रता पर
C. मृदा की उर्वरता पर
D. जल की उपलब्धता पर (B)

व्याख्या: पराग व्यवहार्यता तापमान और आर्द्रता पर निर्भर करती है; विभिन्न प्रजातियों में यह अवधि भिन्न होती है।